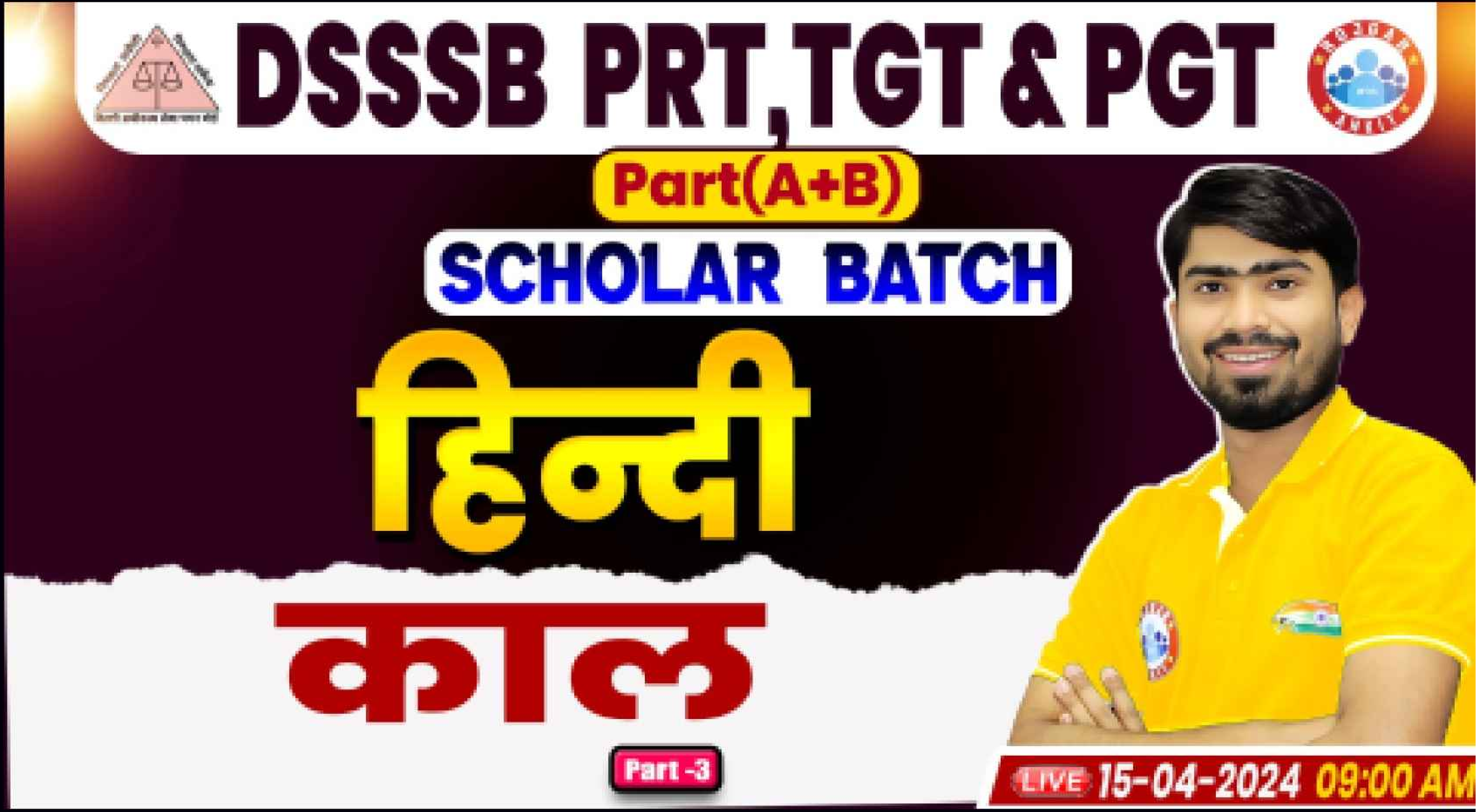
DSSSB PRT, TGT & PGT
Part(A+B)
SCHOLAR BATCH
हिन्दी
काल
Part -3
LIVE 15-04-2024 09:00 AM

⑥ हेतुहेतुमद् भूतकाल ⇒ क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि क्रिया भूतकाल में होती, किन्तु किसी कारण से नहीं हुई उसे हेतुहेतुमद् भूतकाल कहते हैं।

जैसे- बाढ़ आ जाती तो सारा गांव डूब जाता।

यदि वर्षा होती तो जमीन न सूखती।

यदि धूप होती तो गर्मी बढ़ जाती।

③- भविष्यकाल ⇒ क्रिया के जिस रूप से कार्य का आने वाले समय में होने का बोध हो उसे भविष्यकाल कहते हैं।

इसके तीन भेद होते हैं

उदा॰ हम दिल्ली जायेगें।

दूध न मिलने पर बच्चा रोयेगा।

रामू खेत में बीज बोयेगा।

(i) - सामान्य भविष्यकाल ⇒ क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में सामान्य ढंग से होने का बोध हो उसे सामान्य भविष्यकाल कहते हैं।

उदा॰ बच्चें क्रिकेट खेलेगें। मोहन कल मुम्बई जायेगा।

कल बाजार बन्द रहेगा।

मैं ऑफिस में नये दोस्त बनाऊंगा।

हम मेला घूमने जायेगें।

(ii)- सम्भाव्य भविष्यकाल ⇒ क्रिया के जिस रूप से आगे कार्य होने या करने की सम्भावना का बोध हो उसे सम्भाव्य भविष्यकाल कहते है।

उदा० शायद अमन परसों नई पोशाक लेकर आए।

शायद आज रिजल्ट आए।

शायद मुझे परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त हो।

शायद परसों हमारे घर मेहमान आए।

(iii)- हेतुहेतुमद् भविष्यकाल ⇒ क्रिया के जिस रूप से एक कार्य का होना दूसरी आने वाली समय की क्रिया पर निर्भर हो उसे हेतुहेतुमद् भविष्यकाल कहते है।

उदा० छात्रवृत्ति मिले, तो गरीब लोग पढ़े।

मोहन कमाए तो मैं खाऊं।

यदि तुम मेहनत करोगें तो ही अच्छा परिणाम मिलेगा।